भारत के राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का गोलमेज सम्मेलन में नवाचार के वित्तपोषण पर बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों के प्रमुखों को सम्बोधन.

श्री जयंत सिन्हा, वित्त राज्य मंत्री;
श्री राजीव महर्षि, वित्त सचिव और सचिव, आर्थिक कार्य विभाग ;
डॉ हसमुख अधिया, सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग;
श्री हर्ष कुमार भनवाला, अध्यक्ष, नाबार्ड;
प्रो अनिल गुप्ता, वाइस चेयरमैन, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन;
बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्रों के प्रमुख ;
देवियो और सज्जनों

1. मेरे लिए इस नवाचार उत्सव के समापन सत्र में भाग लेना प्रसन्नता की बात है. सबसे पहले, मैं नाबार्ड को नवाचार के वित्तपोषण पर बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के प्रमुखों के साथ यह राउंड टेबल आयोजित करने के लिए धन्यवाद देता हूँ. यह देखकर अच्छा लगा कि आज के मंच में कई बैंक और वित्तीय संस्थान उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं.

2. हमने जिस उच्च विकास की परिकल्पना की है, वह अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों की उत्पादकता में सुधार लाकर ही संभव हो सकती है. इस प्रक्रिया में अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न वर्गों और स्तरों पर हुये नवाचार अत्यन्त सहायक सिध्द होंगे. नवाचार की विकास प्रक्रिया में नए विचार को एक व्यवहार्य उत्पाद में रूपांतरित किया जाता है. नवाचार के लिए वित्तपोषण करना एक महत्वपूर्ण कदम है तथा इसमें बैंकिंग प्रणाली की भूमिका पूरे नवाचार मूल्य-श्रृंखला में सर्वोपरि है।

3. एक राष्ट्र जो नवाचारों पर अधिक ध्यान देता है, वहाँ अन्य घटकों के साथ नवाचारों का लाभ उठाने के लिए वित्तीय क्षेत्र भी उत्साहजनक सहयोग देते हैं. दुर्भाग्य से, भारत में यह देखा गया है कि नवाचारों के ऐसे कई उदाहरण हैं जो वित्तीय सहायता के अभाव में बेकार हो गए हैं. ऐसे में नवोन्मेषकों, निवेशकों और उद्यमियों के मध्य सहयोग का माहौल बनाने के लिए विचार-विमर्श होना अत्यन्त आवश्यकता है. मुझे बताया गया है कि सप्ताह भर चले इस उत्सव में देश के भीतर और बाहर रहनेवाले जमीनी स्तर के नवोन्मेषकों और नवाचार ईको-सिस्टम के विभिन्न हितधारकों के बीच सार्थक विचार विमर्श हुआ है.

देवियो और सज्जनों :

4. सरकार ने नवाचारों और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं जो रोजगार सृजन और गरीबी दूर करने में सहायक होंगे. प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत बैंकिंग क्षेत्र, मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, ने समाज के निर्धन वर्गों को बैंक खातों और अन्य वित्तीय उत्पादों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वाकांक्षी सफल अभियान पर काम शुरू किया है. छह महीने की अवधि में इस योजना के तहत कवरेज सौ प्रतिशत के करीब किया गया है. इसमें 13.2 करोड़ के रिकार्ड बैंक खाते खोले गए हैं,11.5 करोड़ रुपे डेबिट कार्ड जारी किए हैं और 11,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि जमा की गई है.

5. तमाम उपलब्धियों के बावजूद, अभी भी चुनौतियों हैं जिन्हें पूरा करना है. खाते खोलने वालों में कुछ ही व्यक्ति हैं जो ऋण लेते हैं और अपनी आजीविका के अवसरों को सुधार पाते हैं. मैं आपका ध्यान विशेष रूप से, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में हमारे युवाओं की वित्तीय जरूरतों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जिसे बैंकिंग क्षेत्र को पर्याप्त रूप से पूरा करना है. उचित होगा अगर बैंकों द्वारा नवोन्मेषकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कस्बों और शहरों में विशेष काउंटर खोले जाएं .

देवियो और सज्जनों

6. जमीनी स्तर पर नवोन्मेषकों के सामने सुस्थापित बाजार की कमी एक बड़ी समस्या है. कुछ के पास अपने नवाचारों को स्थायी और मार्केटेबल उत्पादों में परिवर्तित करने का अपेक्षित कौशल और सामर्थ्य नहीं है. ऐसे संभावित उद्यमियों को तकनीकी सहायता देने की आवश्यकता होती है. इसलिए वित्तीय सहायता का प्रावधान करने के अलावा, नवाचार ढांचा विकसित करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन भी एक महत्वपूर्ण घटक है. मार्गदर्शन और वित्तपोषण के अभाव में कई मेधावी छात्र, जिनके पास समस्याओं के लिए अभिनव समाधान होते हैं, या तो विदेश चले जाते हैं या कोई दूसरा कारोबार चुन लेते है. इसके परिणामस्वरूप उनकी प्रतिभा का सदुपयोग नहीं हो पता है. इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए बैंकिंग क्षेत्र को ऐसी विशेष योजनाएं तैयार करनी होंगी जिनसे अभिनव विचारों को मार्केटेबल बनाना संभव हो सके.

7 बैंकिंग तंत्र, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के सहयोग से हर जिले में नवोन्मेषकों की वित्तीय जरूरतों का आकलन करने के लिए परामर्शदाताओं का एक पूल बनाने में मदद कर सकता है. बैंकरों को नवोन्मेषकों तक पहुँचने, उन्हें संरक्षण देने, और जहां भी संभव हो, उन्हें ऐसे दूसरे ग्राहकों के साथ जोड़ने के लिए पहल करनी चाहिए जो उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद कर सकें. रचनात्मक लोगों और सफल ग्राहकों को जोड़ने का कार्य गेम चेंजिंग संस्थागत नवाचार हो

सकता है. बैंक मैनेजर एक नवोन्मेषक के लिए एक घंटे में अधिक अवसर खोल सकता हैं जो नवोन्मेषक स्वयं एक साल में नहीं कर सकता है. बैंक, नवोन्मेषकों के लिए प्रबंधकीय सलाह उपलब्ध कराने के लिए अपने तंत्र में एक निगरानी पद्धति विकसित कर सकते हैं. नवोन्मेषकों में यह जागरूकता लानी अपेक्षित है कि मदद हरदम उपलब्ध है.

देवियो और सज्जनों:

8. यह महत्वपूर्ण है कि संवेदीकरण और क्षमता निर्माण समावेशी नवाचार प्रणाली के एजेंडे का हिस्सा हैं. इस संदर्भ में, मैं समारोह में उपस्थित बैंकों से आग्रह करता हूं कि अगले साल नवाचार समारोह में वे अपने कुछ प्रबंधकों को भेजने पर विचार करें. इससे बैंकिंग कर्मियों को नवोन्मेषकों के साथ बातचीत करने का अवसर मिलेगा और वे जान पाएंगे कि कैसे नवोन्मेषकों को अच्छी से अच्छी सहायता दी जा सकती है.

9. केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और एनआईटी ने नवोदित नवोन्मेषकों के साथ संबंध विकसित करने के लिए इनोवेशन क्लब स्थापित किए हैं. नवाचार विचारों को आगे बढ़ाने के लिए बैंकों को भी इनसे हाथ मिलाकर उन्हें अपेक्षित परामर्श देना चाहिए.

10. नवोन्मेषकों और नवाचार आधारित उद्यमों को सफल होने का एक उचित अवसर देने के लिए नई समावेशी संस्थागत व्यवस्था जरूरी हैं. हाल में,अटल इनोवेशन मिशन और सेल्फ इम्प्लोयमेंट एंड टेलेंट यूटीलाइसेशन स्कीम (सेतु) जैसे नवोन्मेषी कदम उठाए गए हैं जिनसे देश भर में हजारों स्टार्ट-अप को ऊपर उठने में मदद मिलेगी. हमारे देश में बैंकिंग नेटवर्क को इस नई उद्यमशीलता का समर्थन करने की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए.

देवियो और सज्जनों:

11. मुझे 32 साल पहले का स्मरण है जब वित्त मंत्री के रूप में मेरा पहला कार्यकाल था और नाबार्ड की स्थापना हुई थी. पिछले वर्षों में, नाबार्ड ने भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देकर अपनी विशेष जगह बनाई है. नाबार्ड ने अपने कॉर्पोरेट मिशन में अभिनव पहलों को शामिल किया है और एक व्यवस्थित और नीतिगत दृष्टिकोण से इस संबंध में निरंतर सक्रिय बना हुआ है. इसके लिए नाबार्ड साधुवाद का पात्र है. नाबार्ड ने विशेष रूप से ग्रामीण नवाचारों के वित्तपोषण हेतु एक अलग फंड बनाया है जो उल्लेखनीय है. नाबार्ड को तीन दशकों से अधिक के अपने अनुभवों का इस्तेमाल करते हुये नवाचार-उन्मुख भारत बनाने के उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है.

12. मैं एक बार फिर, नाबार्ड को नवाचार के वित्तपोषण पर इस सार्थक वार्ता का आयोजन करने के लिए बधाई देता हूँ. मेरा सभी संबंधित एजेंसियों से अनुरोध है कि इस विचार-विमर्श से उभरी विभिन्न सिफारिशों पर काम शुरू करें. वित्त मंत्रालय से भी अनुरोध है कि बैंकों को हर संभव सहायता दे ताकि नवोन्मेषकों की उन तक पहुँच आसान बने और बैंक उनके प्रति जवाबदेह बने.

13. अंत में, मैं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन को नवाचार के इस पहले महोत्सव को अत्यन्त सफल बनाने के लिए बधाई देता हूँ. मैं इस उत्सव के समापन की घोषणा करता हूँ.

धन्यवाद.
जय हिन्द.